

किमी मिस फ्रेशर और राधिका बनी मिस टैलेंट

किमी मिस फ्रेशर, राधिका बनी मिस टैलेंट

छात्राओं को पॉलीथिन बैग का उपयोग न करने का दिलाया संकल्प



इंडक्शन कार्यक्रम में नई छात्राएं विभागाध्यक्ष डॉ. कोकिला के साथ।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डा. कोकिला मलिक के साथ भूगोल की छात्राएं।

गोहाना (ब्यूरो)। गांव खानपुर कला स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग में नई छात्राओं के लिए इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभाग की नई छात्रा किमी को मिस फ्रेशर व राधिका को मिस टैलेंट चुनी गई। इस दौरान भूगोल विभाग की अध्यक्ष डा. कोकिला ने कहा कि छात्राओं को

गोहाना, 16 सितम्बर (अरोड़ा): गांव खानपुर कला स्थित बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग में नई छात्राओं के लिए इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग की नई छात्रा किमी को मिस फ्रेशर और राधिका को मिस टैलेंट के खिताब से नवाजा गया। कार्यक्रम में छात्राओं को पॉलीथिन बैग का उपयोग न करने का संकल्प भी दिलावाया गया। इंडक्शन कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग की अध्यक्ष डा. कोकिला मलिक ने की। उन्होंने छात्राओं को लक्ष्य हासिल करने के लिए अनुशासन का पालन करते हुए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। डा. कोकिला ने विभाग की नई छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए पॉलीथिन बैग का उपयोग न करने का संकल्प भी दिलाया। इस कार्यक्रम के मंच का संचालन छात्रा दीपिका और दिशा ने किया। इस मौके पर मीनू, मनीषा, विजय कुमार और सुनीता आदि उपस्थित रहे।

Socio-economic Survey of Kasanda Village (10 - 14/12/2021)



छात्राओं को दी जलवायु, पर्यावरण एवं समुद्र विज्ञान की जानकारी

गोहाना। बीपीएस महिला विवि के भूगोल विभाग में मंगलवार को एक दिवसीय विस्तारक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विवि के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुधीर कुमार बंसल विषय विशेषज्ञ रहे, जबकि मेजबान विवि की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक मुख्यातिथि रहीं।



प्रथम चरण में भू आकृति विज्ञान की मुख्य संकल्पना विषय पर व्याख्यान हुआ। यहां प्रो. सुधीर कुमार ने भूमि की विविध भू आकृतियों के निर्माण के बारे में चर्चा की। साथ ही उन्होंने जलवायु, पर्यावरण एवं समुद्र विज्ञान से जुड़ी जानकारी भी छात्राओं को दी। दूसरे चरण में पंजाब के मैदान एवं अरावली प्रदेश की भू आकृति के बारे में चर्चा की। विवि की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक ने कहा कि छात्राओं को भूमि एवं पर्यावरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करने में इस कार्यक्रम का अहम योगदान रहेगा। उन्होंने पृथ्वी और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित भी किया। इस दौरान भूगोल विभाग की अध्यक्ष डॉ. कोकिला मलिक के साथ सविता, दीपक, मनीषा, मंजूबाला, मीनू, रोमी आदि मौजूद रहे। संवाद

छात्राओं को दी जलवायु, पर्यावरण एवं समुद्र विज्ञान की जानकारी



गोहाना मुद्रिका, 22 फरवरी : बी.पी.एस महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में मंगलवार को एक

विशेषज्ञ रहे। मेजबान विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक मुख्यातिथि रहीं। प्रथम चरण में भू आकृति विज्ञान की मुख्य संकल्पना विषय पर व्याख्यान हुआ। प्रो. सुधीर बंसल ने भूमि की विविध भू आकृतियों के निर्माण के बारे में चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने जलवायु, पर्यावरण एवं समुद्र विज्ञान से जुड़ी जानकारी भी छात्राओं को दी। दूसरे चरण में पंजाब के मैदान की संरचना एवं अरावली प्रदेश की भू आकृति के बारे में चर्चा की। कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक ने कहा कि छात्राओं को भूमि एवं पर्यावरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करने में इस कार्यक्रम का अहम योगदान रहेगा। उन्होंने पृथ्वी और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित भी किया। इस दौरान भूगोल विभाग की अध्यक्ष डॉ. कोकिला मलिक के साथ सविता, दीपक, मनीषा, मंजूबाला, मीनू, रोमी आदि मौजूद रहे।

दिवसीय विस्तारक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुधीर बंसल विषय

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए किया प्रोत्साहित

गोहाना। बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में बुधवार को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। पर्यावरणीय स्थिरता एवं संरक्षण : 21वीं सदी के मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित सेमिनार में महर्षि दयानंद विवि के भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र सिंह मुख्य वक्ता रहे, जबकि मेजबान विवि की कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक मुख्यातिथि रहीं। डॉ. नीलम मलिक ने छात्राओं को पृथ्वी और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं डॉ. सुरेंद्र सिंह ने जलवायु, पर्यावरण एवं समुद्र विज्ञान से जुड़ी जानकारी छात्राओं को दी। इस दौरान डॉ. पंकज भारद्वाज, डॉ. सुभाष सिसोदिया, डॉ. राजेश धनखड़ मौजूद रहे। संवाद

पर्यावरण संरक्षण में निर्णायक भूमिका निभाएं छात्राएं: डा. नीलम

गोहाना, 10 मार्च (अरोड़ा) : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. नीलम मलिक ने कहा कि पर्यावरण में बढ़ता प्रदूषण वैश्विक समस्या बनता जा रहा है। विश्वविद्यालय की छात्राएं पर्यावरण संरक्षण में निर्णायक भूमिका निभाएं। इसके लिए खुद से शुरूआत करें। पौधे रोपने और उनकी देखभाल करने के साथ ऐसी वस्तुओं का इस्तेमाल न करें जो पर्यावरण के लिए घातक हैं।

डा. मलिक ने यह बात विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में पर्यावरणीय स्थिरता एवं संरक्षण 21वीं सदी के मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर सेमिनार के शुभारंभ पर छात्राओं को संबोधित करते हुए कही। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डा. सुरेंद्र सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने पृथ्वी और



सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करतीं कुलसचिव डा. नीलम मलिक, साथ में डा. कोकिला मलिक। (अरोड़ा)

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने जलवायु, पर्यावरण एवं समुद्र विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। डा. पंकज भारद्वाज, डा. सुभाष सिसोदिया, डा. राजेश धनखड़ और प्रो. एम.एस. जागलान ने पर्यावरण से संबंधित गंभीर मुद्दों पर चर्चा की। डा. भूपेंद्र सिंह ने ठोस कचरे के प्रभाव और प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। अध्यक्षता भूगोल विभाग की अध्यक्ष डा. कोकिला मलिक रही। मंच संचालन डा. श्रीलेखा ने किया। इस मौके पर विजय मलिक, सविता, दीपक, मनीषा, मंजूबाला आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण के लिए घातक वस्तुएं इस्तेमाल न करें

जासं, गोहाना: बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. नीलम मलिक ने कहा कि पर्यावरण में बढ़ता प्रदूषण वैश्विक समस्या बनता जा रहा है। विश्वविद्यालय की छात्राएं पर्यावरण संरक्षण में निर्णायक भूमिका निभाएं। इसके लिए खुद से शुरूआत करें। पौधे रोपने और उनकी देखभाल करने के साथ ऐसी वस्तुओं का इस्तेमाल न करें जो पर्यावरण के लिए घातक हैं। डा. मलिक ने यह बात विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में पर्यावरणीय स्थिरता एवं संरक्षण 21 वीं सदी के मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर सेमिनार के शुभारंभ पर छात्राओं को संबोधित करते हुए कही। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के

भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डा. सुरेंद्र सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने पृथ्वी और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने जलवायु, पर्यावरण एवं समुद्र विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। डा. पंकज, डा. सुभाष सिसोदिया, डा. राजेश और प्रो. एमएस जागलान ने पर्यावरण से संबंधित गंभीर मुद्दों पर चर्चा की। डा. भूपेंद्र सिंह ने ठोस कचरा के प्रभाव और प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। अध्यक्षता भूगोल विभाग की अध्यक्ष डा. कोकिला मलिक रही। मंच संचालन डा. श्रीलेखा ने किया। इस मौके पर विजय मलिक, कविता मौजूद रहीं।



सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते कुलसचिव डा. नीलम मलिक, साथ में डा. कोकिला मलिक जागलान

विश्व पर्यावरण दिवस पर विजेताओं का सम्मान

गोहाना, 5 जून (रामनिवास धीमान) : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कला के भूगोल विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर मॉडल प्रदर्शनी, पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भूगोल विभाग की स्नातकोत्तर व उच्चतर अधिगम संस्थान की स्नातक की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर कोकिला मलिक ने की। जबकि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने पर्यावरण के संरक्षण व इससे संबंधित विषय पर वास्तविक जीवन व विश्वविद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट बनाने के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित किया। पर्यावरण की महत्त्वता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जीवन के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छ हवा इतनी ही जरूरी है जितना भोजन। आज बढ़ते हुए प्रदूषण ने जीवन को इतना दुर्गम बना दिया है,

प्रदूषण का सत्र आज इतना खराब है जिस हवा में सांस लेने से अनेकों बीमारियों से हमारा शरीर प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को कम करने के लिए हम सभी को अपने कर्तव्य का निर्वाहन करना होगा, प्रकृति को बचाने के लिए चाहे पेड़ लगाने हो या फिर प्लास्टिक का प्रयोग बंद करना हो ये सब हमें स्वयं भी करना होगा और अपने समाज को भी जागृत करना होगा। पर्यावरण को सुरक्षित तथा संरक्षित रखना हम सब की जिम्मेदारी है। छात्राओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति ने कहा कि प्रकृति को इसी तरह से बचाना होगा। ताकि आने वाले समय में पर्यावरण को बेहतर बनाया जाए। यह कार्य केवल एक दिन मात्र के लिए न होकर दिनचर्या का हिस्सा हो। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉक्टर मूर्ति मलिक, डॉक्टर संतोष हूडा एवं डॉक्टर भूपिंदर ने निभाई तथा समस्त टीमों का परिणाम घोषित किया।



